Demerits of Essay type Examination

1 – Limited coverage – Essay type exam का क्षेत्र बहुत सीमित है इसमें प्राय: 10 से 12 प्रश्न पूछे जाते हैं जिनमें परीक्षार्थियों को तीन घंटे के अन्दर पाँच प्रश्नों का उत्तर देना पड़ता है, अत: इससे स्पष्ट है कि प्रश्नों के इस सीमित क्षेत्र में पाठ्यक्रम के सभी अंशों को सम्मिलित करना असंभव है।

2 – Stress on Rote learning – इस परीक्षा प्रणाली से विद्यार्थियों को रटने से प्रोत्साहन मिलता है। इसमें परीक्षक यह नहीं देखता है कि उत्तर रटकर लिखाये गए है, अथवा समझकर इसलिए विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के कुछ अंशों तोते की तरह रट लेता है और वह अच्छे अंक प्राप्त कर लेता है।

3 – Hit or Miss – इस परीक्षा से Students को अनुमान एवं अटकलबाजी की ओर अग्रसर होने का प्रोत्साहन मिलता है परीक्षा के पूर्व प्रश्नों के

Page No.:
Date: / /

संकेत में तरह-2 के अनुमान लगाए जाते हैं और इसके फलस्वरूप पाठ्यक्रम के कुछ अंशों को पढ़ा जाता है जिससे प्रश्नों के आने की संभावना अधिक रहती है।

4 - Ambiguity of questions ! - प्रश्न-पत्र में कुछ प्रश्नों की भाषा द्विअर्थी होती है कि उनका अर्थ विभिन्न परीक्षार्थी विभिन्न रूप में लगा लेते हैं और उसी के अनुकूल Answer लिखते हैं नतीजा यह होता है कि विषय वस्तु का ज्ञान रहते हुए भी उसका उत्तर गलत हो जाता है।

5 - Time and labour consuming !- इस परीक्षा प्रणाली में समय और श्रम का व्यय अधिक होता है। परीक्षा भवन में 3-4 घंटे तक students को लगातार प्रश्नों का उत्तर लिखना पड़ता है इसी तरह Answer book की जाँच में शिक्षकों को भी काफी समय देना पड़ता है और बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। जिससे परीक्षाफल की घोषणा में बहुत देरी हो जाती है।

6 - Credit of unwanted elements - इस परीक्षा प्रणाली में प्रश्नोत्तरों के अनावश्यक

अंशों के लिए भी विद्यार्थियों को अंक मिल जाने की संभावना अधिक रहती है।

7- Harmful for health - यह परीक्षा प्रणाली शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद होता है। प्रायः देखा जाता है कि विद्यार्थी अपने ~~अ~~ अधिक समय को खेल-कूद में बिताते हैं, और अन्तिम समय में परीक्षा की तैयारी में दिन-रात कठी मेहनत करते हैं इससे उनकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य गिर जाता है।

8 — Unscientific Marking basis — इस प्रणाली की एक त्रुटि उत्तर पुस्तिकाओं को जाँचने का अवैज्ञानिक आधार है। उत्तरों को जाँचते समय परीक्षकों के सामने कोई uniform standard नहीं होता है सभी परीक्षक का अलग-2 व्यक्तिगत मापदण्ड होता है। इसके अविश्वसनीय होने के कई आधार होते हैं।

1 - Personal view point of examiner
2. Prejudice and partiality of the examiner
3. Mode of examiner

Page No.:
Date: / /

Measures for Improving Essay type Examination

1- Improving in Question Setting
2 Improvement in Marking
3. Improvement in examiners
4- Sufficient time for evaluation.
5- Improvement in teaching
6- Use of other tests
7 Double examinership
8 Ban on cheap note book.
9- Selection of able examiners
10 Centralised evaluation.